



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE



हिंदी विश्वविद्यालय में परीक्षा पे चर्चा के सातवें संस्करण का आयोजन
प्रधानमंत्री के संबोधन का किया सीधा प्रसारण
प्रधानमंत्री ने परीक्षा पे चर्चा 2024 के दौरान छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों से की बातचीत
स्वस्थ प्रतिस्पर्धा छात्रों के विकास के लिए शुभ संकेत है : प्रधानमंत्रीश्री नरेंद्र मोदी

वर्धा, 29 जनवरी 2024 : परीक्षा पे चर्चा के 7 वें संस्करण में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार 29 जनवरी को नई दिल्ली के भारत मंडप में छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के साथ संवाद किया। उन्होंने संवाद से पहले कार्यक्रम स्थल पर प्रदर्शित छात्रों की प्रदर्शनी का निरीक्षण किया। कार्यक्रम का स्वागत वक्तव्य केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने दिया। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में



परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के सीधे प्रसारण की व्यवस्था गालिब एवं कस्तूरबा सभागार में की गई थी। इस अवसर पर अधिष्ठाता गण, अध्यापक, कर्मचारी, शोधार्थी एवं विद्यार्थियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों की सभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने साथियों के दबाव और दोस्तों के बीच प्रतिस्पर्धा के मुद्दे को संबोधित करते हुए इसके महत्व पर प्रकाश डाला। हालाँकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रतिस्पर्धा स्वस्थ होनी चाहिए।

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत
ई-मेल/E-mail: mgahvpro@gmail.com, वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org
दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE



उन्होंने बताया कि अक्सर अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा के बीच पारिवारिक स्थितियों में बोए जाते हैं, जिससे भाई-बहनों के बीच प्रतिस्पर्धा पैदा होती है। उन्होंने अभिभावकों से कहा कि वे बच्चों के बीच तुलना से बचें।

छात्रों को प्रेरित करने में शिक्षकों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि संगीत में उन छात्रों के तनाव को दूर करने की क्षमता है जो न केवल एक कक्षा के बल्कि पूरे स्कूल के हैं। श्री मोदी ने कक्षा के पहले दिन से लेकर परीक्षा के समय तक छात्र-शिक्षक सहयोग को धीरे-धीरे बढ़ाने पर जोर दिया और कहा कि इससे परीक्षा के दौरान तनाव पूरी तरह खत्म हो जाएगा। उन्होंने शिक्षकों से यह भी आग्रह किया कि वे पढ़ाए गए विषयों के आधार पर छात्रों से जुड़ने के बजाय उनके लिए अधिक सुलभ बनें। प्रधानमंत्री ने उन डॉक्टरों का उदाहरण देते हुए कहा जिनका अपने मरीजों के साथ व्यक्तिगत संबंध होता है, ऐसा बंधन आधे इलाज के समान होता है। उन्होंने परिवारों के साथ व्यक्तिगत जुड़ाव विकसित करने और उनसे पहले की उपलब्धियों के लिए छात्रों की सराहना करने का भी सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षक नौकरी की भूमिका में नहीं हैं बल्कि वे छात्रों के जीवन को संवारने की जिम्मेदारी निभाते हैं।

उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर स्वस्थ दिमाग के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि स्क्रीन टाइम जैसी आदतें आवश्यक नींद को खत्म कर रही हैं जिसे आधुनिक स्वास्थ्य विज्ञान बहुत महत्वपूर्ण मानता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने अपने निजी जीवन में भी बिस्तर पर जाने के 30 सेकंड के भीतर गहरी नींद में जाने की व्यवस्था बना रखी है। उन्होंने कहा, "जागते समय पूरी तरह जागना और सोते समय गहरी नींद, एक संतुलन है जिसे हासिल किया जा सकता है।" पोषण के बारे में बोलते हुए पीएम मोदी ने संतुलित आहार पर जोर दिया। उन्होंने फिटनेस के लिए नियमित व्यायाम और शारीरिक गतिविधियों के महत्व पर भी जोर दिया।

प्रधानमंत्री ने जीवन में निराशा न होने पर जोर दिया और कहा कि एक बार यह निर्णय लेने के बाद केवल सकारात्मकता ही बचती है। प्रधानमंत्री ने कहा, "मैंने अपने जीवन में निराशा के सभी दरवाजे और खिड़कियां बंद कर दी हैं।" उन्होंने कहा कि जब कुछ करने का संकल्प मजबूत हो तो निर्णय लेना आसान हो जाता है। उन्होंने कहा, "जब कोई स्वार्थी मकसद नहीं होता तो निर्णय में कभी भ्रम नहीं होता।" प्रधानमंत्री ने वर्तमान पीढ़ी के जीवन को आसान बनाने पर जोर देते हुए विश्वास जताया कि आज की पीढ़ी को अपने माता-पिता द्वारा झेली जाने वाली कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ेगा। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि सरकार एक ऐसा राष्ट्र बनाने का प्रयास कर रही है जहां न केवल वर्तमान बल्कि आने वाली पीढ़ियों को चमकने और अपनी क्षमता दिखाने का मौका मिले। यह पूरे राष्ट्र का सामूहिक संकल्प होना चाहिए। सकारात्मक सोच की शक्ति पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सबसे नकारात्मक परिस्थितियों में भी सकारात्मक परिणाम देखने की ताकत देती है। प्रधानमंत्री ने सभी छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए अपनी बातचीत समाप्त की और उन्हें अपने जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए शुभकामनाएं दीं।

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत
ई-मेल/E-mail: mgahvpro@gmail.com, वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org
दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE



हिंदी विश्वविद्यालयात परीक्षा पे चर्चेचे आयोजन

पंतप्रधानांच्या भाषणाचे थेट प्रसारण

परीक्षा पे चर्चा 2024 दरम्यान पंतप्रधानांनी विद्यार्थी, शिक्षक आणि पालकांशी साधला संवाद

विद्यार्थ्यांच्या विकासासाठी निरोगी स्पर्धा हे चांगले लक्षण होय: पंतप्रधान श्री नरेंद्र मोदी

वर्धा, 29 जानेवारी, 2024: परीक्षा पे चर्चेच्या 7 व्या आवृत्तीत पंतप्रधान श्री नरेंद्र मोदी यांनी सोमवार, 29 जानेवारी रोजी नवी दिल्लीतील भारत मंडपम येथे विद्यार्थी, शिक्षक आणि पालकांशी संवाद साधला. संवादापूर्वी त्यांनी कार्यक्रमस्थळी लावण्यात आलेल्या विद्यार्थ्यांच्या प्रदर्शनाची पाहणी केली. स्वागत भाषण केंद्रीय शिक्षण मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान यांनी केले.

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठात कार्यक्रमाचे थेट प्रसारण गालिब आणि कस्तूरबा सभागृहात करण्यात आले. यावेळी शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी मोठ्या संख्येने उपस्थित होते.

विद्यार्थी, शिक्षक आणि पालकांना संबोधित करताना पंतप्रधान श्री मोदी यांनी विद्यार्थ्यांच्या प्रदर्शनाची प्रशंसा केली. समवयस्कांचा दबाव आणि मित्रांमधील स्पर्धा या मुद्द्यावरून पंतप्रधानांनी त्याचे महत्त्व अधोरेखित केले. मात्र स्पर्धा निरोगी असायला हवी, यावर त्यांनी भर दिला. त्यांनी स्पष्ट केले की अस्वास्थ्यकर स्पर्धेची बीजे अनेकदा कौटुंबिक परिस्थितीत पेरली जातात, ज्यामुळे भावंडांमध्ये स्पर्धा निर्माण होते. त्यांनी पालकांना मुलांमधील तुलना टाळण्यास सांगितले.

विद्यार्थ्यांना प्रेरित करण्यात शिक्षकांच्या भूमिकेवर प्रकाश टाकताना पंतप्रधान म्हणाले की संगीतामध्ये केवळ एका वर्गातीलच नव्हे तर संपूर्ण शाळेतील विद्यार्थ्यांचा ताण दूर करण्याची क्षमता आहे. त्यांनी वर्गाच्या पहिल्या दिवसापासून परीक्षेच्या वेळेपर्यंत विद्यार्थी-शिक्षक सहकार्य हळूहळू वाढविण्यावर भर दिला आणि सांगितले की यामुळे परीक्षेदरम्यानचा ताण पूर्णपणे दूर होईल. रुग्णशी वैयक्तिक नातेसंबंध असलेल्या डॉक्टरांचे उदाहरण देत पंतप्रधान म्हणाले की असे बंधन अर्धा आजार बरा करते. त्यांनी कुटुंबांशी वैयक्तिक संबंध विकसित करणे आणि विद्यार्थ्यांसमोर केलेल्या कामगिरीबद्दल त्यांचे कौतुक करणे आवश्यक असल्याचे सांगितले. ते म्हणाले की शिक्षक हे विद्यार्थ्यांचे जीवन घडविण्याची जबाबदारी पार पाडतात.

ते म्हणाले की, निरोगी मनासाठी निरोगी शरीर महत्त्वाचे आहे. स्क्रीन टाइम सारख्या सवयींमुळे आवश्यक झोप कमी होत आहे ज्याला आधुनिक आरोग्य विज्ञान खूप महत्त्वाचे मानते. पंतप्रधान म्हणाले की त्यांच्या वैयक्तिक आयुष्यातही त्यांनी झोपल्यानंतर 30 सेकंदात गाढ झोपेत जाण्याची व्यवस्था केली आहे. "जेव्हा तुम्ही उठता तेव्हा पूर्णपणे जागृत राहणे आणि जेव्हा तुम्ही झोपायला जाता तेव्हा गाढ झोप असणे हे एक संतुलन आहे जे साध्य केले जाऊ शकते," पोषणाबाबत बोलताना त्यांनी संतुलित आहारावर भर दिला. तंदुरुस्तीसाठी नियमित व्यायाम आणि शारीरिक हालचालींच्या महत्त्वावरही त्यांनी भर दिला.

"मी माझ्या आयुष्यातील निराशेचे सर्व दरवाजे आणि खिडक्या बंद केल्या आहेत." असे ते म्हणाले. जेव्हा एखादी गोष्ट करण्याची जिद्द मजबूत असते तेव्हा निर्णय घेणे सोपे होते.

सध्याच्या पिढीचे जीवन सुसह्य करण्यावर भर देत पंतप्रधानांनी आजच्या पिढीला त्यांच्या पालकांना येणाऱ्या अडचणींना तोंडे द्यावे लागणार नाही, असा विश्वास व्यक्त केला. सरकार केवळ वर्तमानच नव्हे तर एक राष्ट्र घडविण्याचा प्रयत्न करेल. भावी पिढ्यांना चमकण्याची आणि त्यांची क्षमता दाखवण्याची संधी मिळावी, हा संपूर्ण राष्ट्राचा सामूहिक संकल्प असला पाहिजे असे ते म्हणाले. सकारात्मक विचारांच्या सामर्थ्यावर प्रकाश टाकत पंतप्रधान म्हणाले की, अत्यंत नकारात्मक परिस्थितीतही सकारात्मक परिणाम पाहण्याची ताकद मिळते. पंतप्रधानांनी सर्व विद्यार्थ्यांना प्रोत्साहन देऊन आणि त्यांच्या जीवनातील ध्येय साध्य करण्यासाठी त्यांना शुभेच्छा देऊन संवादाचा समरोप केला.

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: mgahvpro@gmail.com, वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org

दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305